ऐतिहासिक ट्रेड डील के करीब मोदी-ट्रंप

भारत-अमेरिका के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदार है

अब एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है वार्ता

वाशिंगटन, 11 नवंबर. भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से चल रही व्यापार वार्ता अब एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि दोनों देशों के बीच एक नया व्यापार समझौता लगभग तैयार है और जल्द ही उस पर हस्ताक्षर हो सकते हैं.

उन्होंने यह बयान भारत में अमेरिका के अगले राजदूत सर्जियो गोर के शपथ ग्रहण समारोह में दिया. ट्रंप ने कहा कि यह समझौता पहले से अलग और दोनों देशों के लिए समान लाभ देने वाला होगा.

ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने संबंधों को बेहद मजबूत बताते हुए कहा कि भारत अमेरिका के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदार है. उन्होंने विश्वास जताया कि सर्जियो गोर दोनों देशों के रिश्तों को नई दिशा देंगे. गोर को उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने शपथ दिलाई, जबकि इस मौके पर विदेश मंत्री मार्को रुबियो और वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट भी मौजूद रहे. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका भारत के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के काफी करीब है. उन्होंने कहा कि बातचीत लगभग पूरी हो चुकी है और अब सिर्फ औपचारिक घोषणा बाकी है. ट्रंप ने यह बात वाशिंगटन में आयोजित एक विशेष समारोह में कही, जहां सर्जियो गोर ने भारत में अमेरिका के नए राजदूत के रूप में शपथ ली. राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, हम भारत के साथ एक नया समझौता कर रहे हैं, जो पहले से अलग होगा. इस बार दोनों देशों को बराबरी का लाभ मिलेगा.

ट्रंप ने कहा कि उनकी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आपसी समझ काफी गहरी है और यही मजबूत रिश्तों की नींव है. उन्होंने भारत की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सुरक्षा साझेदार है. उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी सर्जियो गोर को बधाई दी और कहा कि भारत और अमेरिका की साझेदारी विश्व शांति और आर्थिक स्थिरता के लिए आवश्यक है. विदेश मंत्री मार्को रुबियो तथा वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भी दोनों देशों के बीच बढ़ते आर्थिक संबंधों की सराहना की. 38 वर्ष के सर्जियो गोर अब तक के सबसे युवा अमेरिकी राजदूत हैं. वे राष्ट्रपति ट्रंप के लंबे समय से करीबी सहयोगी रहे हैं. उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य भारत-अमेरिका साझेदारी को और गहराई देना और नए अवसरों की तलाश करना होगा.

भारत मंडपम में होगा वैश्विक टेक्सटाइल प्रदर्शनी का आयोजन

नयी दिल्ली, 11 नवंबर. वैश्विक टेक्सटाइल प्रदर्शनी भारत टेक्स 2026 का आयोजन अगले साल जुलाई में दिल्ली के भारत मंडपम में किया जायेगा. प्रदर्शनी के आयोजक भारत टेक्स ट्रेड फेडरेशनके को-चेयरमैन भद्रेश डोढ़िया ने मंगलवार को बताया कि %भारत टेक्स 2026 का आयोजन 14 से 17 जुलाई तक होगा. इस आयोजन का सबसे बड़ा कार्यक्रम वैश्विक टेक्सटाइल परिचर्चा 2026 जिसमें अन्य लोगों के साथ उद्योग के शीर्ष अधिकारी, नीति निर्माता और सतत विकास के विशेषज्ञ शामिल होंगे. पिछले साल हुई प्रदर्शनी में 1,20,000 विजिटर आये थे. उसमें 2.5 अरब डॉलर के व्यापार के अवसर खुले और विशेष तौर पर 2,100 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले थे.

अडानी समूह बनायेगा ऊर्जा भंडारण प्रणाली

परियोजना के मार्च 2026 तक चालू होने की संभावना

अहमदाबाद, 11 नवंबर. अडानी समूह ने 1126 मेगावाट बिजली क्षमता और 3530 मेगावाट आवर ऊर्जा क्षमता वाली परियोजना के साथ बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली क्षेत्र में कदम रखने की घोषणा की है.

समूह ने मंगलवार को बताया कि इस परियोजना में 700 से ज़्यादा बीईएसएस कंटेनर लगाये जायेंगे, जो देश में सबसे बड़ा बीईएसएस इंस्टॉलेशन होगा और दुनिया के सबसे बड़े सिंगल-लोकेशन बीईएसएस डिप्लॉयमेंट में से एक होगा. इस परियोजना के मार्च 2026 तक चालू होने की संभावना है. अडानी ने बताया कि यह पहल देश की ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाने, चौबीसों घंटे बिजली देने और देश को लो-कार्बन भविष्य की ओर ले जाने में एक बड़ा कदम है. यह परियोजना

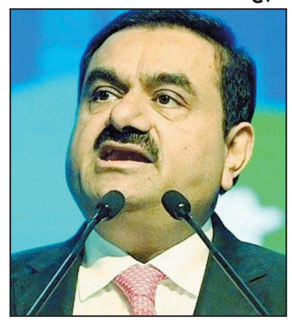

पीक लोड प्रेशर को कम करने, ट्रांसमिशन कंजेशन को घटाने और सोलर कटौती को कम करने में अहम भूमिका निभायेगा, जिससे ग्रिड की विश्वसनीयता और दक्षता में सुधार होगा. यह परियोजना गुजरात के खावड़ा में अडानी के नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्र में बनायी जा रही है और इसपर काफी काम हो भी चुका है.

इसे अत्याधुनिक लिथियम-आयन बैटरी टेक्नोलॉजी के साथ विकसित किया जा रहा है और बेहतर प्रदर्शन तथा विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली के साथ जोड़ा जा रहा है. अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने कहा, ऊर्जा भंडारण नवीकरणीय ऊर्जा से चलने वाले भविष्य की आधारशिला है. इस ऐतिहासिक परियोजना के साथ हम न केवल वैश्विक मानक स्थापित कर रहे हैं, बल्कि देश की ऊर्जा स्वतंत्रता और सस्टेनेबिलिटी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी मजबूत कर रहे हैं. यह पहल हमें बड़े पैमाने पर विश्वसनीय, स्वच्छ और किफायती ऊर्जा समाधान देने में सक्षम बनायेगी.

एआई से सॉफ्टबैंक की बंपर कमाई, मुनाफा दोगुना

ओपनएआई में हिस्सेदारी बढ़ी, सॉफ्टबैंक का रिकॉर्ड लाभ

सॉफ्टबैंक को एआई निवेश से 2.5 ट्रिलियन येन का मुनाफा

टोक्यो, 11 नवंबर. जापान की अग्रणी निवेश कंपनी सॉफ्टबैंक ग्रुप ने इस साल की दूसरी तिमाही में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2.5 ट्रिलियन येन (लगभग 16.6 अरब डॉलर) का शुद्ध लाभ दर्ज किया है.

कंपनी का मुनाफा पिछले वर्ष की तुलना में दोगुने से भी अधिक है. इस बढ़ोतरी का सबसे बड़ा कारण ओपनएआई में सॉफ्टबैंक की हिस्सेदारी का मूल्य बढ़ना बताया जा रहा है.

ओपनएआई, जिसने चैटजीपीटी जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स बनाए हैं, में सॉफ्टबैंक ने इस वर्ष भारी निवेश किया था. विश्लेषकों के अनुसार, जहां बाजार 207 अरब येन के लाभ की उम्मीद कर रहा था, वहीं सॉफ्टबैंक ने उससे कहीं अधिक 2.5 ट्रिलियन येन का लाभ अर्जित किया. कंपनी की विजन फंड इकाई ने अकेले 3.5 ट्रिलियन येन का निवेश लाभ दर्ज किया, जिसमें से करीब 2.16 ट्रिलियन येन ओपनएआई से जुड़े निवेश से आया. सॉफ्टबैंक के शेयर भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए हैं.

शुरुआती निवेश से अपार लाभ कमाया

कंपनी के संस्थापक मासायोशी सोन को तकनीकी निवेशों में बड़े जोखिम लेने के लिए जाना जाता है. उन्होंने अलीबाबा में शुरुआती निवेश से अपार लाभ कमाया था, लेकिन वीवर्क में उन्हें भारी नुकसान झेलना पड़ा. अब उनका पूरा फोकस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा सेंटर, और सेमीकंडक्टर डिजाइन कंपनियों पर है. सॉफ्टबैंक ने हाल ही में एम्पीयर नामक चिप डिजाइन कंपनी के अधिग्रहण के लिए 6.5 अरब डॉलर का ब्रिज लोन भी तय किया है. बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यह एआई-केंद्रित रणनीति सॉफ्टबैंक को भविष्य के टेक सेक्टर का ग्लोबल पावरहाउस बना सकती है.

सोने-चांदी के रेट में तेजी

नई दिल्ली, 11 नवंबर. भारत में आज सोने और चांदी के दामों में तेज उछाल दर्ज किया गया है. 11 नवंबर 2025 को सुबह के कारोबार में 24 कैरेट सोना करीब 246 रुपये प्रति ग्राम महंगा हो गया है, जबकि चांदी के दाम में 3000 रुपये प्रति किलो की वृद्धि हुई है.

देशभर के प्रमुख शहरों जैसे दिल्ली, पटना, जयपुर, सूरत, कानपुर और लखनऊ में सोने के दाम बढ़ गए हैं. वहीं, 22 कैरेट सोने की कीमत भी 225 रुपये प्रति ग्राम तक बढ़ी है. अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर इंडेक्स में नरमी और जियोपॉलिटिकल तनावों के चलते निवेशक गोल्ड में शिफ्ट हो रहे हैं. दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव 12,643 रुपये प्रति ग्राम, जबकि 22 कैरेट का भाव 11,590 रुपये प्रति ग्राम है. भारत में 10 ग्राम चांदी का भाव 1,600 रुपये

और 1 किलो चांदी का भाव 1,60,000 रुपये तक पहुंच गया है. सोने-चांदी की इस तेजी के कारण ज्वैलर्स और निवेशकों में हलचल बढ़ गई है. भारत में सोने-चांदी के दामों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है. मंगलवार यानी 11 नवंबर 2025 को घरेलू बाजार में सोना 246 रुपये प्रति ग्राम और चांदी 3000 रुपये प्रति किलो महंगी हो गई. दिल्ली में आज 24 कैरेट सोने का भाव 12,643 रुपये, 22 कैरेट का 11,590 रुपये और 18 कैरेट का 9,486 रुपये प्रति ग्राम है. वहीं, भारत में औसतन 24 कैरेट सोना 12,628 रुपये प्रति ग्राम पर पहुंच गया है.

निवेशकों का भरोसा लौटा, सेंसेक्स में रौनक

335 अंक पर पहुंचा सेंसेक्स

120 अंक पर उछला निफ्टी

मुंबई, 11 नवंबर. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान ने भारतीय शेयर बाजारों में नई ऊर्जा भर दी. सोमवार को ट्रंप ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच जल्द ही व्यापार समझौता होने की उम्मीद है. इस सकारात्मक संकेत ने मंगलवार को निवेशकों के मनोबल को बल दिया, जिसके चलते घरेलू बाजार लगातार दूसरे दिन बढ़त पर बंद हुए.

शुरुआती गिरावट के बाद बीएसई सेंसेक्स 335.97 अंक

यानी 0.40 प्रतिशत की तेजी के साथ 80,694.95 अंक पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी-50 सूचकांक 120.60 अंक (0.47 प्रतिशत) उछलकर 25,694.95 अंक पर जा पहुंचा.

आईटी और ऑटो शेयरों में भारी लिवाली देखने को मिली, जबकि एफएमसीजी और मेटल सेक्टर ने भी मजबूती दिखाई. छोटे शेयरों में हल्की गिरावट रही, लेकिन कुल मिलाकर निवेश धारणा सकारात्मक बनी रही. विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप के बयान से निवेशकों को यह संकेत मिला कि भारत-अमेरिका आर्थिक साझेदारी अगले चरण में प्रवेश कर सकती है, जो दीर्घकाल में विदेशी निवेश को प्रोत्साहित कर सकती है.

ट्रंप प्रशासन की ओर से भारत के साथ संभावित व्यापार समझौते के संकेत मिलते ही भारतीय शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन तेजी बनी रही. मंगलवार को घरेलू सूचकांकों ने शुरुआती सुस्ती को पीछे छोड़कर मजबूती दिखाई. बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 335.97 अंक (0.40प्रतिशत) बढ़कर 80,694.95 अंक पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 120.60 अंक (0.47प्रतिशत) चढ़कर 25,694.95 अंक पर पहुंच गया.

वोडाफोन आइडिया को दूसरी तिमाही में 5,524 करोड़ रुपये का नुकसान

मुंबई, 10 नवंबर. दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 5,524 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है. कंपनी के सोमवार को जारी वित्तीय परिणामों के अनुसार, तिमाही के दौरान परिचालन से प्राप्त कुल राजस्व 2.4 प्रतिशत बढ़कर 11,194.7 करोड़ रुपये पर पहुंच गया. कंपनी ने बताया कि सितंबर 2025 तक उसका बैंक ऋण घटकर 15.3 अरब डॉलर रह गया, जबकि उसके पास 30.8 अरब डॉलर की नकदी और बैंक बैलेंस है. वोडाफोन आइडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिजीत किशोर ने बताया कि कंपनी ने अपने 4जी कवरेज को 84 प्रतिशत तक बढ़ाया है और 17 सर्किलों में 5जी के रोलआउट का काम पूरा हो गया है.

अमेरिका में 15% घटी भारतीय कपड़ों की मांग

भारत की बाजार हिस्सेदारी पहले की तरह कायम रहेगी

नयी दिल्ली, 11 नवंबर. अमेरिका में भारतीय उत्पादों पर अगस्त में दो बार में उत्पाद शुल्क बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने के कारण जुलाई-सितंबर की तिमाही में कपड़ों के निर्यात में 15 प्रतिशत की गिरावट देखी गयी.

भारत टेक्स ट्रेड फेडरेशन के को-चेयरमैन भद्रेश डोढ़िया ने यूनीवार्ता के साथ एक विशेष बातचीत में बताया कि पिछली तिमाही जुलाई-सितंबर में अमेरिका को किया जाने वाला

कपड़ा निर्यात 15 प्रतिशत घटा है. अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में इसमें और गिरावट की आशंका है. उन्होंने उम्मीद जतायी कि जनवरी तक अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौता हो जायेगा और भारत की बाजार हिस्सेदारी पहले की तरह कायम रहेगी. यूरोपीय बाजार के बारे में डोढ़िया ने कहा कि यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौता पर बात चल रही है. यह समझौता होने के बाद भारतीय उत्पाद बांग्लादेश के उत्पादों से प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे.

घटी महंगाई, सस्ते हुए तेल-अनाज

नई दिल्ली, 11 नवंबर. देश में खुदरा महंगाई दर में अब तक की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है. बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर में रिटेल इंफ्लेशन घटकर 0.4% से 0.6% के बीच रह सकता है, जो सितंबर की तुलना में लगभग एक प्रतिशत अंक कम है. इस गिरावट में सबसे बड़ा योगदान दाल, तेल अनाज के दामों में आई कमी का रहा. रिपोर्ट के मुताबिक, अरहर दाल 29% सस्ती हुई है, जो आठ सालों में सबसे बड़ी गिरावट है. वहीं सरसों तेल 16%, सोया तेल 8% और सूरजमुखी तेल 17% तक सस्ते हुए हैं.

अक्टूबर में इक्विटी म्युचुअल फंडों में 19 प्रतिशत गिरावट

नयी दिल्ली, 11 नवंबर अक्टूबर में देश के प्रमुख शेयर सूचकांकों में सुधार के बावजूद म्यूचुअल फंड कंपनियों की शेयर निवेश योजनाओं में निवेशकों का आकर्षण कम हुआ और इन योजनाओं में निवेश इससे पिछले महीने की तुलना में 19 प्रतिशत घटकर 24,691 करोड़ रुपये रह गया.

सितंबर में इन योजनाओं में निवेश 30,422 करोड़ रुपये के स्तर पर रहा था. एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के सोमवार को जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार माह के दौरान फ्लेक्सीकैप में तेज़ी, मिड और स्मॉल-कैप में सुस्ती रही. इक्विटी फंड में निवेश ऐसे समय नीचे आया है जबकि अक्टूबर में निफ्टी 50 और सेंसेक्स ने लगभग चर प्रतिशत की बढ़त दर्ज की. इक्विटी फंडों की अलग अलग श्रेणियों में माह के दौरान मिला जुला रुख रहा. फ्लेक्सीकैप फंडों में निवेश का आकर्षण बना रहा और उनमें 8,928 करोड़ रुपये का शुद्ध प्रवाह हुआ.

समाचार विशेष

प्रफुल पटेल का एक फैसला बदलेगा समीकरण!

शिवसेना-एनसीपी में पकी खिचड़ी, महायुति में फूट के संकेत

नागपुर. निकाय चुनावों में राज्य में दोनों ही गठबंधनों में शामिल दलों का एक साथ मिलकर चुनाव लड़ना संभव नहीं लग रहा है. महायुति की सत्ता राज्य में है और उसमें शिंदे शिवसेना और एनसीपी अजित पवार गुट शामिल हैं.

लोकसभा व विधानसभा चुनाव तो बीजेपी के साथ गठबंधन कर लड़ा गया लेकिन निकाय चुनाव में ऐसा नजर नहीं आ रहा है. भाजपा के आला नेता भले ही यह कह रहे हैं कि निकाय चुनाव भी महायुति के साथ ही लड़ा जाएगा लेकिन दूसरी ओर यह भी कह रहे हैं कि कुछ जगहों पर मैत्रीपूर्ण लड़ाई भी हो सकती है. चूंकि यह चुनाव कार्यकर्ताओं का है, इसलिए उनकी भावनाओं के अनुसार ही निर्णय लिया जाएगा.

एनसीपी-शिवसेना में नाराजगी- बीजेपी के इस विरोधाभासी रवैये के चलते नागपुर में शिंदे सेना व एनसीपी अजित पवार गुट में स्थानीय नेताओं में नाराजी व्याप्त है. यही कारण है कि अब दोनों पार्टी नेता नप-नपं, जिप, पंस, मनपा चुनाव में साथ आकर लड़ने की संभावना तलाश रही हैं. इस संदर्भ में विधायक कृपाल तुमाने के साथ एनसीपी शहर अध्यक्ष अनिल अहिरकर, कार्याध्यक्ष श्रीकांत शिवणकर की बैठक भी हुई है.

नप-नपं चुनाव पर निर्णय नहीं- नगर परिषद व नगर पंचायत चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों की तो 10 नवंबर से नामांकन भरने की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है, बावजूद इसके जिले में गठबंधन को लेकर बीजेपी की ओर से कोई निर्णय नहीं आया है. शिवसेना विधायक तुमाने, जिला प्रमुख संदीप इटकेलवार, विनोद सातंगे, चंद्रहास राऊत, एनसीपी के जिलाध्यक्ष राजाभाऊ टांकसाले, शहर अध्यक्ष अहिरकर, कार्याध्यक्ष शिवणकर, अमित कातुरे आदि के बीच इस संदर्भ में चर्चा हुई.

वोट विभाजन का भय

एनसीपी नेताओं का मानना है कि अगर गठबंधन तोड़कर अलग चुनाव लड़ा गया तो वोटों के विभाजन का अप्रत्यक्ष लाभ कांग्रेस को हो सकता है. भाजपा को भी इसका भान है, बावजूद इसके चुनावों में गठबंधन को लेकर उसकी ओर से सकारात्मकता नहीं दिखाई गई है. एनसीपी ने भाजपा को इस संदर्भ में पत्र भी लिखा लेकिन वहां से जवाब आया कि गठबंधन का निर्णय पार्टी के वरिष्ठ ही लेंगे.

क्या एनडीए के साथ जाएंगे तेज प्रताप?

पटना में रवि किशन के साथ नजर आए

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव के बीच पटना से एक हैरान करने वाली तस्वीर सामने आई है. तेज प्रताप यादव पटना एयरपोर्ट पर बीजेपी सांसद रवि किशन के साथ नजर आए हैं.

तेज प्रताप यादव ने कहा है कि बिहार का जो विकास करेगा वह उसके साथ हैं वहीं सांसद रवि किशन ने कहा है कि भोलेनाथ के भक्तों के लिए बीजेपी के दरवाजे हमेशा खुले हुए हैं. ऐसे में अब सवाल उठ रहा है कि किया बिहार चुनाव के बाद तेज प्रताप यादव बिहार चुनाव के बाद एनडीए के

साथ जाएंगे.

दरअसल, आरजेडी और परिवार से बेदखल हुए लालू प्रसाद के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव बिहार चुनाव में अपने बूते कुछ कर दिखाने की चाह रखते हैं. यही वजह है कि उन्होंने अपनी अलग पार्टी बनाई और बिहार चुनाव में पूरी मजबूती के साथ उतरे हैं.

हम भी टीका लगाते हैं और ये भी

हालांकि, मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए तेज प्रताप यादव ने कहा कि पहली बार रवि किशन जी से मुलाकात हुई है. ये भगवान के भक्त हैं और हम भी महादेव के भक्त हैं और यहां हम दोनों की मुलाकात हो गई. जब उनसे पूछा गया कि चुनाव के बाद कुछ अलग तस्वीर दिखेगी? इस पर तेज प्रताप ने कहा कि हमने तो पहले ही कहा है कि जो बेरोजगारी मिटाएगा और जो रोजगार देगा हम उसके साथ रहेंगे. हम भी टीका लगाते हैं और ये भी टीका लगाते है,

राजनीतिक समीकरणों में बदलाव की संभावना

महायुती के लिए सिरदर्द

मुंबई. स्थानीय स्वराज संस्थाओं के चुनाव की पृष्ठभूमि पर भाजपा के पूर्व विधायक बालासाहेब मुरकुटे के राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार गट) में प्रवेश करने से नेवासा तालुके की राजनीति में नया मोड़ आ गया है. मूलत: कांग्रेस की राजनीति से जुड़े रहे मुरकुटे ने 2014 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा में प्रवेश किया था और वहीं से उम्मीदवार बने थे. उन्होंने तालुके के सशक्त नेता शंकरराव गडाख को चौंकाने वाली हार दी थी.

मगर 2019 के विधानसभा चुनाव में गडाख ने 25 हजार मतों के अंतर से मुरकुटे को पराजित कर बदला लिया. 2024 के चुनाव में पार्टी ने मुरकुटे को टिकट नहीं दिया, जिससे नाराज होकर उन्होंने बगावत की और प्रहार जनशक्ति पार्टी से चुनाव लड़ा. लेकिन शिवसेना के उम्मीदवार विठ्ठलराव लंघे ने पूर्व मंत्री गडाख और मुरकुटे दोनों को पराजित किया. भाजपा में दाल नहीं गलने के कारण जब उन्होंने घटकपक्ष के पास बगावत की, तब भाजपा ने उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया.

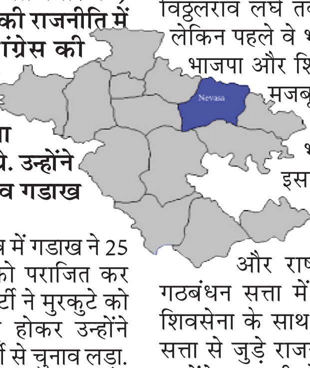

बाद में यह चर्चा थी कि उन्हें फिर से पार्टी में शामिल किया गया है, और कुछ कार्यक्रमों में वे भाजपा के मंच पर भी दिखाई दिए. हालांकि तालुके में बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच मुरकुटे भाजपा में ज्यादा सक्रिय नहीं हुए. वर्तमान विधायक विठ्ठलराव लंघे तकनीकी रूप से शिवसेना से हैं, लेकिन पहले वे भाजपा के जिलाध्यक्ष रह चुके हैं. भाजपा और शिवसेना दोनों ही दलों पर उनकी मजबूत पकड़ है. ऐसे में महत्वाकांक्षी मुरकुटे को यह समझ आ गया कि भाजपा में उनकी दाल नहीं गलेगी, इसलिए उन्होंने महायुती के घटक दल को नजदीक किया.

राज्य में भाजपा, शिवसेना और राष्ट्रवादी इन तीनों का महायुती गठबंधन सत्ता में है. मुरकुटे भले ही भाजपा-शिवसेना के साथ नहीं जाना चाहते, लेकिन उन्हें सत्ता से जुड़े राजनीतिक फायदे चाहिए. इसलिए उन्होंने महायुती के घटक दल राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार गट) का चयन किया है, ऐसी चर्चा है. हालांकि आगामी चुनाव को देखते हुए यह कदम भाजपा और शिवसेना के लिए सिरदर्द साबित हो सकता है.

विशेष **निकाय चुनाव में कोंकण क्षेत्र में भाजपा के खिलाफ मिलाया हाथ!**

निकाय चुनाव में ठाकरे-शिंदे गुट आएंगे साथ

सिंधुदुर्ग. राजनीति संभावनाओं का खेल है. कब कौन किसका दोस्त बन जाए कहा नहीं जा सकता. पूरे देश में ऐसे खेल चलते रहते हैं. इस बीच महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव के बिगु बज चुके हैं. इसके साथ ही दोस्त और विरोधी बदलने का खेल भी शुरू हो गया है. सबसे मजेदार घटना राज्य के सिंधुदुर्ग जिले में देखी जा रही है. वहां के कणकवली शहर में शिवसेना एकनाथ शिंदे गुट और उद्धव ठाकरे गुट के नेता ही आपस में मिल गए हैं.

दरअसल, आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए राजनीतिक समीकरण बिठाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं. स्थानीय स्तर पर बड़े

घटनाक्रम के संकेत मिल रहे हैं और राज्य की राजनीति में भी एक बड़ा घटनाक्रम हुआ है. शिवसेना ठाकरे और शिंदे गुटों के एक साथ आने की हलचल शुरू हो गई है. कहा जा रहा है कि शिवसेना के दोनों गुट भाजपा के खिलाफ एक साथ आएंगे. रिपोर्ट के मुताबिक कोंकण की राजनीति में एक बड़ा घटनाक्रम हुआ है. सिंधुदुर्ग जिले में आगामी नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों से पहले कणकवली में राजनीतिक समीकरण में एक बड़ा बदलाव आया है. यहां शिवसेना ठाकरे और शिंदे गुटों के बीच एक गुप्त बैठक हुई है. इससे स्थानीय राजनीति में हलचल मच गई है. इस बैठक से पता चलता है कि कणकवली में भाजपा के खिलाफ और राणे के खिलाफ 'शहर विकास अघाड़ी' के जरिए एक गठबंधन बन रहा है. सिंधुदुर्ग में भाजपा ने अकेले लड़ने का नारा दिया है. इसके बाद स्थानीय स्तर पर शिवसेना के दोनों ठाकरे गुट और शिंदे गुट एक साथ आने के संकेत के दे रहे हैं. कणकवली नगर पंचायत अध्यक्ष पद के लिए भाजपा की ओर से समीर नलावड़े इच्छुक हैं. राजनीतिक गलियारों में उनके खिलाफ महाविकास अघाड़ी और शिंदे सेना के हाथ मिलाने की संभावना पर चर्चा हो रही है. सूत्रों के अनुसार बैठक में ठाकरे गुट के नेता संदेश पारकर का नाम मेयर पद के लिए प्रस्तावित किया गया है. चर्चा यह भी है कि संदेश पारकर को शिंदे गुट का समर्थन भी मिल सकता है.

वैभव नाइक-नीलेश राणे एक साथ?

इन सब घटनाक्रमों के बीच कणकवली में पुरानी प्रतिद्वंद्वी राजनीति को भी नया मोड़ मिल सकता है. यहां विधायक नीलेश राणे और पूर्व विधायक वैभव नाइक के एक साथ आने की संभावना जताई जा रही है. वहीं, कणकवली में नीलेश राणे और नितेश राणे के बीच घर के भीतर ही युद्ध छिड़ने की भी संभावना है. नाइक और राणे के बीच दुश्मनी कई सालों से चली आ रही है. अब जब नाइक और राणे एक साथ आ रहे हैं, तो सबकी नजर इस आगामी चुनाव पर है.